“Role of State Women’s Commission in Elimination of Crime against Women”

Department of Home Science, Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University, Gorakhpur

Date: 17th December 2024

राज्य महिला आयोग समाज के हर वर्ग की महिला को न्याय और संरक्षण दिलाने के लिए सदैव तत्पर : श्रीमती चारू चौधरी , उपाध्यक्ष -राज्य महिला आयोग

आयोग समाज में पाल रहे भेदभाव व प्रताड़ना के प्रति संवेदनशील : प्रो.पूनम टंडन

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग में 'महिलाओं के विरुद्ध अपराध उन्मूलन में राज्य महिला आयोग की भूमिका “पर केंद्रित कार्यक्रम(मिशन शक्ति) की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने कहा कि स्त्री-पुरुष संबंधों को स्वस्थ बनाने हेतु संवाद की बड़ी भूमिका है. वाद विवाद से कोई हल नहीं निकल सकता. एक-दूसरे का सम्मान ही उन्नति का मार्ग खोलता है. लिंग आधारित हिंसा से न केवल परिवार बल्कि समाज भी कमजोर पड़ जाता है. जो स्त्री या पुरुष अपने जीवनसाथी की इज्जत नहीं कर सकता उसका भविष्य भी उज्जवल नहीं हो सकता.

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती चारू चौधरी ने कहा कि आयोग तीन स्तरों पर मुख्य भूमिका में रहता है -पहला महिला हिंसा उन्मूलन दूसरा -महिला अस्पताल का निरीक्षण और तीसरा महिला जेलों के कार्यों की समीक्षा ।उन्होंने ने महिलाओं के प्रति बढ़ती हिंसा में स्त्री - पुरुष के बीच बड़े विवाद के पीछे अमूमन बहुत छोटे कारण होते हैं. इसका निदान जागरूकता से संभव है. मिशन शक्ति फेज 5 इस कार्य को बखूबी निभा रहा है.

कार्यक्रम अध्यक्ष माननीय कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने अपने संबोधन में कहा कि घरेलू हिंसा का शिकार अधिकांशतः स्त्रियां होती हैं. इस हिंसा के रोकथाम हेतु राज्य महिला आयोग गठन में समुचित प्रावधान किए गए हैं. हिंसा सहना भी एक अपराध है. इसे छिपाना नहीं चाहिए. महिला आयोग हिंसा उन्मूलन में प्रमुख भूमिका रखता है तथा महिलाओं की विपरीत परिस्थिति में उनकी ताकत बनकर खड़ा है ।

कार्यक्रम संयोजक प्रो दिव्या रानी सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय परंपरा एवं संविधान दोनों में स्त्री को निर्णायक शक्तियां मिली हुई हैं. जरूरत उन शक्तियों को पहचानने की है तथा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त होना अत्यंत आवश्यक हैं जिससे उनके अंदर निर्णय लेने की क्षमता विकसित हो सके।

स्वस्थ शरीर से स्वस्थ मन की अवधारणा को विकसित करने के लिए चट्टानों द्वारा दो नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किए गए जिनका विषय -एनीमिया और सर्वाइकल कैंसर जागरूकता था ।

इस अवसर पर मिशन शक्ति फेज फाइव की संयोजिका प्रो विनीता पाठक , GUWWA की अध्यक्ष प्रो नंदिता सिंह , डॉ अमित उपाध्याय , डॉ सूर्यकांत त्रिपाठी , विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षिकाएं और शिक्षक उपस्थित रहे ।इस कार्यक्रम के दौरान विभाग के सभी शिक्षिकाओं के साथ-साथ शोधार्थी एव विद्यार्थीभी उपस्थित रहे।

Role of State Wo
Elimination

नारी शक्ति सम्मान

Mission Shakti Phase -5
Women's Studies Center
Department of Home Science
Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University, Gorakhpur
Role of State Women's Commission in Elimination of Crime against Women

Mission Shakti Phase -5
Women's Studies Center
Department of Home Science
Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University, Gorakhpur
Role of State Women's Commission in Elimination of Crime against Women
Date 17/12/2024, Tuesday Time 12:30 Onward
Venue :- Department of Home Science

Mission Shakti Phase -5
Women's Studies Center
Department of Home Science

Mission Shakti Phase -5
Women's Studies Center
Department of Home Science